

2019

B.A.

1st Semester Examination

SANSKRIT (Honours)

Paper : GE 1-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

The figures in the margin indicate full marks.

1. दश प्रश्नाः समाधेयाः । उत्तरं संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम् 10×2=20

যে-কোনো দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ।

(क) तद्-किम्शब्दयोः स्त्रीलिङ्गे तृतीयैकवचनस्य रूपं लिखत ।

তদ্ ও কিম্ শব্দের স্ত্রীলিঙ্গের তৃতীয় একবচনের রূপ লেখ।

[Turn Over]

(ख) कर्तृकर्मकारकयोः एकैकमुदाहरणं देयम्।

कर्तृकारक ও কর্মকারকের একটি করে উদাহরণ দাও।

(ग) 'छात्रः कलमेन लिखति' इत्यत्र रेखाङ्कितपदस्य कारकं विभक्तिं च वर्णयत।

'ছাত্রঃ কলমেন লিখতি' এই বাক্যের রেখাঙ্কিত পদের কারক ও বিভক্তি নির্ণয় কর।

(घ) निम्नोक्तशब्दानाम् उपयुक्तं रूपं गृहीत्वा एकं वाक्यं रचयत।
(युष्मद्, कुत्र, पठ्)

নিম্নোক্ত শব্দগুলির উপযুক্ত রূপ চয়ন করে একটি বাক্যরচনা কর। (যুष्मद्, कुत्र, पाठ्)

(ङ) बन्धनीस्थधातुशब्दयोः उचितं प्रयोगं कृत्वा शून्यस्थानं पूरयत।

— (अस्मद्) पिता अन्नं — (खाद्-लट्)

বন্ধনী মধ্যস্থ ধাতু ও শব্দের উপযুক্ত প্রয়োগ করে শূন্যস্থান পূরণ করো।

— (अस्मद्) पिता अन्नं — (खाद्-लट्)

(च) लताशब्दस्य नदीशब्दस्य च पञ्चम्या एकवचनस्य रूपं लिखत।

लता ও নদী শব্দের পঞ্চমী একবচনের রূপ লেখ।

(छ) आत्मन्शब्दस्य मनस्शब्दस्यच चतुर्थ्या एकवचनस्य रूपं लिखत।

আত্মন্ ও মনস্ শব্দের চতুর্থীর একবচনের রূপ লেখ।

(ज) सन्धिं कुरुत—(i) गङ्गा + उदकम् (ii) रामः + च

সন্ধিকর : (i) গঙ্গা + উদকম্ (ii) রামঃ + চ

(झ) सन्धिविच्छेदं कुरुत—(i) रमेशः (ii) कस्त्वम्

সন্ধিবিচ্ছেদ কর—(i) রমেশঃ (ii) কস্ত্বম্

(ञ) परिणतरूपं लिखत—(i) गम् + तुमुन् (ii) पठ् + क्त

পরিণতরূপ লেখ—(i) গম্ + তুমুন্ (ii) পঠ্ + ক্ত

(ट) प्रकृति-प्रत्ययौ प्रदर्शयत—(i) खादित्वा (ii) गच्छत्

প্রকৃতিপ্রত্যয় নিরূপণ কর—(i) খাদিত্বা (ii) গচ্ছৎ

(ठ) लङ्लकारं प्रयोज्य वाक्यमिदं कर्तृवाच्ये परिणयत—(मया पुस्तकं पठितम्)

निम्नोक्त वाक्यটিকে लङ्-लकार যোগে কর্তৃবাচ্যে পরিণত কর।
(ময়া পুস্তকং পঠিতম)।

(ड) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वादशाध्यायस्य नाम किम्? तत्र कति श्लोकाः सन्ति?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার দ্বাদশ অধ্যায়ের নাম কি? এই অধ্যায়ে কয়টি শ্লোক আছে?

(ढ) श्रीमद्भगवद्गीतायाः उत्सः कः? अत्र कति श्लोकाः सन्ति?

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার উৎস কি? এই গ্রন্থে কয়টি শ্লোক রয়েছে?

(ण) अभ्यासात् कः श्रेयः? त्यागानन्तरं किं लभ्यते?

অভ্যাসের থেকে শ্রেয় কি? ত্যাগের পর কি লাভ হয়?

2. चतुर्णां प्रश्नानामुत्तरं देयम्। एकस्य प्रश्नस्य उत्तरम् अवश्यमेव संस्कृतभाषया देवनागरीलिप्या च देयम्— 4×5=20

যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। যে কোন একটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষা ও দেবনাগরী লিপিতে দিতে হবে—

- (ক) অস্মদ্-শব্দস্য যুष्मद्-শব্দস্য চ তৃতীয়া-পञ्चमी-षष्ठी विभक्तिनां रूपाणि लिखत।

অস্মদ্ ও যুष्মদ্ শব্দের তৃতীয়া, পঞ্চমী এবং ষষ্ঠী বিভক্তির সমস্ত রূপ লেখ।

- (ख) बन्धनीस्थेषु कस्यचिद् एकस्य धातोः लङ् लकारस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत। (पठ्, खाद्, लिख्)

বন্ধনী মধ্যস্থ যে কোন একটি ধাতুর লঙ্ লকারের সমস্ত রূপ লেখ। (পঠ্, খাদ্, লিখ্)।

- (ग) बन्धनीस्थेषु कस्यचिद् एकस्य धातोः लृट् लकारस्य सर्वाणि रूपाणि लिखत। (कृ, लभ्, ज्ञा)

বন্ধনীমধ্যস্থ যে কোন একটি ধাতুর লৃট্ লকারের সমস্তরূপ লেখ। (কৃ, লভ্, জ্ঞা)

(घ) संस्कृतेन अनुद्यताम्

संस्कृत भाषाय अनुवाद कर--

(i) छात्रेण इतिहास पढा उचित।

(ii) तौमरा कि खाच्छे?

(ङ) व्याख्यायताम्—

क्लेशोऽधिकतरस्तेषामव्यक्तासक्तचेतसाम्।

अव्यक्ता हि गतिर्दुःखं देहवद्भिरवाप्यते ॥

निम्नोक्त श्लोकटि व्याख्या कर।

क्लेशोऽधिकतरस्तेषामव्यक्तसक्तचेतसाम्।

अव्यक्ता हि गतिर्दुःखं देहवद्भिरवाप्यते ॥

(च) 'अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुम् इति कः कमुक्तवान्?

अभ्यासयोगस्य का प्रयोजनीयता?

'अभ्यासयोगेन ततो मामिच्छाप्तुम्' एतु उक्तिटि के कके

बलेछेन? अभ्यासयोगेर प्रयोजनीयता कि?

3. द्वयोः प्रश्नयोरुत्तरं देयम्।

2×10=20

(क) कारकस्य लक्षणं विभागं च विलिख्य कर्मकारकं संक्षेपेण आलोचयत।

कारকের লক্ষণ ও বিভাগ নির্দেশপূর্বক কর্মকারক বিষয়ে সংক্ষেপে আলোচনা কর।

(ख) यस्य कस्यापि एकस्य परस्मैपदिनः धातोः लट्-लङ्-लृट् लकाराणां सर्वाणि रूपाणि लिखत।

যে-কোন একটি ধাতুর পরস্মৈপদের লট, লঙ ও লৃট্ লকারের সমস্তরূপ লেখ।

(ग) श्रीमद्भगवद्गीतायाः माहात्म्यं प्रतिपादयत।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার মাহাত্ম্য প্রতিপাদন কর।

(घ) श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वादशाध्यायानुसारं भगवतः प्रियभक्तानां लक्षणानि वर्णयत।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতার দ্বাদশ অধ্যায় অনুসারে ভগবানের প্রিয়ভক্তদের লক্ষণগুলি বর্ণনা কর।